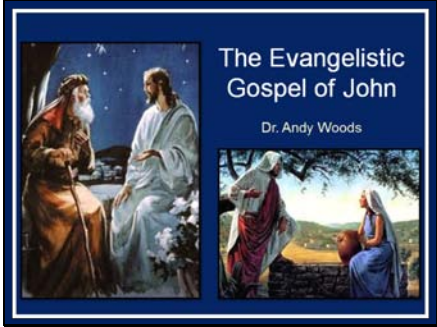


Slide 1



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 2



---

---

---

---

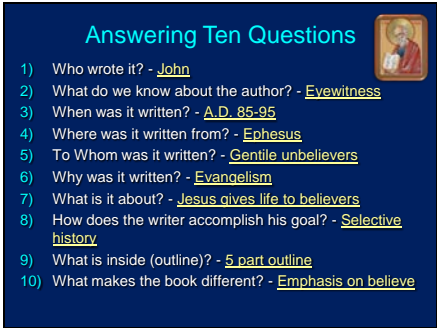
---

---

---

---

Slide 3



---

---

---

---

---

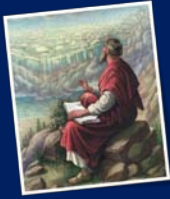
---

---

---

Slide 4

### John 20:30-31



"Therefore many other signs Jesus also performed in the presence of the disciples, which are not written in this book; but these have been written so that you may believe that **Jesus is the Christ, the Son of God**; and that believing you may have life in His name."

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 5

### OUTLINE OF JOHN

|            |   |
|------------|---|
| 1:1-18     | HEAVENLY GENEALOGY (Explains who Jesus is)                  |
| 1:19-11:57 | PUBLIC MINISTRY ( 7 signs & discourses)                     |
| 12:1-50    | TRIUMPHAL ENTRY (public national rejection of Christ-12:37) |
| 13-17      | UPPER ROOM DISCOURSE (new dispensation)                     |
| 18-21      | PASSION NARRATIVES (crucifixion to resurrection)            |

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 6

### PROLOGUE

JOHN 1:1-18

|       |                               |          |
|-------|-------------------------------|----------|
| I.    | DEITY                         | V. 1-2   |
| II.   | PREINCARNATE WORK             | V. 3     |
| III.  | MINISTRY TO MEN               | V. 4-5   |
| IV.   | MINISTRY OF JOHN THE BAPTIST  | V. 6-8   |
| V.    | REJECTED & ACCEPTED           | V. 9-13  |
| VI.   | INCARNATION                   | V. 14    |
| VII.  | TESTIMONY OF JOHN THE BAPTIST | V.15     |
| VIII. | GRACE & TRUTH                 | V. 16-18 |

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 7

| OUTLINE OF JOHN |   |
|-----------------|---|
| 1:1-18          | HEAVENLY GENEALOGY (Explains who Jesus is)                  |
| 1:19-11:57      | PUBLIC MINISTRY ( 7 signs & discourses)                     |
| 12:1-50         | TRIUMPHAL ENTRY (public national rejection of Christ-12:37) |
| 13-17           | UPPER ROOM DISCOURSE (new dispensation)                     |
| 18-21           | PASSION NARRATIVES (crucifixion to resurrection)            |

---



---



---



---



---



---



---



---



---



---

Slide 8

**Presentation of the Son of God  
(John 1:19-51)**

- I. By John the Baptist (19-28)
- II. To John the Baptist (29-34)
- III. To Peter and Andrew (35-42)
- IV. To Philip and Nathaniel (43-51)




---



---



---



---



---



---



---



---






---



---

Slide 9

**"SEVEN SIGNS" in Gospel of John**

|   |  |         |   |
|---|--|---------|---|
|  | Changing Water into Wine                   | 2:11    |  |
|  | Healing official's son                     | 4:46-54 |  |
|  | Healing an invalid at the Pool of Bethesda | 5:1-18  |  |
|  | Feeding the 5,000                          | 6:5-14  |  |
|  | Walking on water                           | 6:16-21 |  |
|  | Healing a blind man                        | 9:1-7   |  |
|  | Raising dead Lazarus                       | 11:1-45 |   |

---



---



---



---



---



---



---



---



---



---

Slide 10




---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 11

Water to Wine in Cana (2:1-11)

- Occasion (1-3)
- Observation (4)
- Orders (5-7a)
- Obedience (7b-8)
- Opinion (9-10)
- Outcome (11)



Wilmington, *Outline of the Bible*, 562

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 12




---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 13

**Temple Cleansing (2:12-25)**  
Wilmington, Outline of the Bible, 562-63

- I. Purging of the Father's Temple (12-17)
  - A. Cleansing of the temple (12-15)
  - B. Condemnation of the thieves (16-17)
- II. Prediction of His Fleshly Temple (18-25)
  - A. Ignorance of the Jewish leaders (18-22)
  - B. Insincerity of the Jewish leaders (23-25)



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 14

**Temple Cleansing (2:12-25)**  
Wilmington, Outline of the Bible, 562-63

- I. Purging of the Father's Temple (12-17)
  - A. Cleansing of the temple (12-15)
  - B. Condemnation of the thieves (16-17)
- II. Prediction of His Fleshly Temple (18-25)
  - A. Ignorance of the Jewish leaders (18-22)
  - B. Insincerity of the Jewish leaders (23-25)



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 15

**Nicodemus and Jesus (3:1-21)**

- Credentials of Nicodemus (1)
- Confession of Nicodemus (2)
- Command to Nicodemus (3)
- Confusion of Nicodemus (4)



Wilmington, *Outline of the Bible*, 563-64

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 16

**Nicodemus and Jesus (3:1-21)**

- Clarification for Nicodemus (5-8)
- Chastening of Nicodemus (9-13) 
- Clarification for Nicodemus cont'd (14-15)
- Conclusions of Nicodemus (16-21)

*Wilmington, Outline of the Bible, 563-64*

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 17

**Nicodemus and Jesus (3:1-21)**

- Credentials of Nicodemus (1)
- Confession of Nicodemus (2)
- Command to Nicodemus (3) 
- Confusion of Nicodemus (4)

*Wilmington, Outline of the Bible, 563-64*

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 18

**Nicodemus and Jesus (3:1-21)**

- Credentials of Nicodemus (1)
- Confession of Nicodemus (2)
- Command to Nicodemus (3) 
- Confusion of Nicodemus (4)

*Wilmington, Outline of the Bible, 563-64*

---

---

---

---

---

---

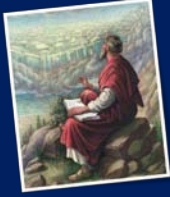
---

---

Slide 19

John 20:30-31

"Therefore many other **signs** Jesus also performed in the presence of the disciples, which are not written in this book; but these have been written so that you may **believe that Jesus is the Christ, the Son of God**; and that **believing you may have life in His name.**"



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 20

Nicodemus and Jesus (3:1-21)

- Credentials of Nicodemus (1)
- Confession of Nicodemus (2) 
- **Command to Nicodemus (3)**
- Confusion of Nicodemus (4)

Wilmington, *Outline of the Bible*, 563-64

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 21

Nicodemus and Jesus (3:1-21)

- Credentials of Nicodemus (1)
- Confession of Nicodemus (2) 
- Command to Nicodemus (3)
- **Confusion of Nicodemus (4)**

Wilmington, *Outline of the Bible*, 563-64

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 22

Nicodemus and Jesus (3:1-21)

- Clarification for Nicodemus (5-8)
- Chastening of Nicodemus (9-13)
- Clarification for Nicodemus cont'd (14-15)
- Conclusions of Nicodemus (16-21)



Wilmington, *Outline of the Bible*, 563-64

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 23

Clarification for Nicodemus (3:5-7)

- Physical illustration (5-7)
- Natural illustration (8)



Wilmington, *Outline of the Bible*, 563-64

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 24

Clarification for Nicodemus (3:5-7)

- Physical illustration (5-7)
- Natural illustration (8)



Wilmington, *Outline of the Bible*, 563-64

---

---

---

---

---

---

---


---



Slide 25

Clarification for Nicodemus (3:5-7)

- Physical illustration (5-7)
- Natural illustration (8)



Wilmington, *Outline of the Bible*, 563-64

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 26

Nicodemus and Jesus (3:1-21)

- Clarification for Nicodemus (5-8)
- Chastening of Nicodemus (9-13)
- Clarification for Nicodemus cont'd (14-15)
- Conclusions of Nicodemus (16-21)



Wilmington, *Outline of the Bible*, 563-64

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 27

PROLOGUE  
JOHN 1:1-18

|       |                               |          |
|-------|-------------------------------|----------|
| I.    | DEITY                         | V. 1-2   |
| II.   | PREINCARNATE WORK             | V. 3     |
| III.  | MINISTRY TO MEN               | V. 4-5   |
| IV.   | MINISTRY OF JOHN THE BAPTIST  | V. 6-8   |
| V.    | REJECTED & ACCEPTED           | V. 9-13  |
| VI.   | INCARNATION                   | V. 14    |
| VII.  | TESTIMONY OF JOHN THE BAPTIST | V.15     |
| VIII. | GRACE & TRUTH                 | V. 16-18 |

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---




Slide 31

**Article XI—Assurance**

☉ We believe it is the privilege, not only of some, but of **all** by the Spirit through faith who are born again in Christ as revealed in the Scriptures, to be **assured** of their salvation from the **very day** they take Him to be their Savior and that this assurance is **not** founded upon any fancied discovery of their own **worthiness** or fitness, but wholly upon the testimony of God in His **written Word**, exciting within His children filial love...

DTS Doctrinal Statement



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 32

**Nicodemus and Jesus (3:1-21)**

- Clarification for Nicodemus (5-8)
- Chastening of Nicodemus (9-13)
- Clarification for Nicodemus cont'd (14-15)
- **Conclusions of Nicodemus (16-21)**

Wilmington, *Outline of the Bible*, 563-64



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 33

**Conclusion**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 34

**Nicodemus and Jesus (3:1-21)**

- Credentials of Nicodemus (1)
- Confession of Nicodemus (2)
- Command to Nicodemus (3)
- Confusion of Nicodemus (4)



Wilmington, *Outline of the Bible*, 563-64

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 35

**Nicodemus and Jesus (3:1-21)**

- Clarification for Nicodemus (5-8)
- Chastening of Nicodemus (9-13)
- Clarification for Nicodemus cont'd (14-15)
- Conclusions of Nicodemus (16-21)



Wilmington, *Outline of the Bible*, 563-64

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**Cross References**

Mark 7:13-*thus* invalidating the word of God by your tradition which you have handed down; and you do many things such as that

Luke 12:48-but the one who did not know *it*, and committed deeds worthy of a flogging, will receive but few. From everyone who has been given much, much will be required; and to whom they entrusted much, of him they will ask all the more.

James 3:1-Let not many *of you* become teachers, my brethren, knowing that as such we will incur a stricter judgment.

Titus 3:5-He saved us, not on the basis of deeds which we have done in righteousness, but according to His mercy, by the washing of regeneration and renewing by the Holy Spirit.

1 Pet 1:23-or you have been born again not of seed which is perishable but imperishable, *that is*, through the living and enduring word of God.

Rom 10:17- So faith *comes* from hearing, and hearing by the word of Christ.

2 Tim 3:15- and that from childhood you have known the sacred writings which are able to give you the wisdom that leads to salvation through faith which is in Christ Jesus.

Gen 2:16-17- The LORD God commanded the man, saying, “From any tree of the garden you may eat freely; <sup>17</sup> but from the tree of the knowledge of good and evil you shall not eat, for in the day that you eat from it you will surely die.”

Eph 2:1- And you were dead in your trespasses and sins

1 Cor 2:14-But a natural man does not accept the things of the Spirit of God, for they are foolishness to him; and he cannot understand them, because they are spiritually appraised

John 2:19-21-Jesus answered them, “Destroy this temple, and in three days I will raise it up.” <sup>20</sup> The Jews then said, “It took forty-six years to build this temple, and will You raise it up in three days?” <sup>21</sup> But He was speaking of the temple of His body

John 7:39-But this He spoke of the Spirit, whom those who believed in Him were to receive; for the Spirit was not yet *given*, because Jesus was not yet glorified.

Luke 23:43-And He said to him, “Truly I say to you, today you shall be with Me in Paradise.”

1 Cor 1:14-17- I thank God that I baptized none of you except Crispus and Gaius, <sup>15</sup> so that no one would say you were baptized in my name. <sup>16</sup> Now I did baptize also the household of Stephanas; beyond that, I do not know whether I baptized any other. <sup>17</sup> For Christ did not send me to baptize, but to preach the gospel, not in cleverness of speech, so that the cross of Christ would not be made void.

Eph 2:8-9-For by grace you have been saved through faith; and that not of yourselves, *it is* the gift of God; <sup>9</sup> not as a result of works, so that no one may boast.

Gen 1:2-The earth was formless and void, and darkness was over the surface of the deep, and the Spirit of God was moving over the surface of the waters.

2 Cor 5:17-Therefore if anyone is in Christ, *he is* a new creature; the old things passed away; behold, new things have come.

Isa 55:10-11-“For as the rain and the snow come down from heaven, And do not return there without watering the earth And making it bear and sprout, And furnishing seed to the sower and bread to the eater; <sup>11</sup> So will My word be which goes forth from My mouth; It will not return to Me empty, Without accomplishing what I desire, And without succeeding *in the matter* for which I sent it.

Eph 5:26- so that He might sanctify her, having cleansed her by the washing of water with the word

1 Pet 1:23-For you have been born again not of seed which is perishable but imperishable, *that is*, through the living and enduring word of God.

John 4:10-11-Jesus answered and said to her, “If you knew the gift of God, and who it is who says to you, ‘Give Me a drink,’ you would have asked Him, and He would have given you living water.”<sup>11</sup> She \*said to Him, “Sir, You have nothing to draw with and the well is deep; where then do You get that living water?”

John 7:38-39-He who believes in Me, as the Scripture said, ‘From his innermost being will flow rivers of living water.’”<sup>39</sup> But this He spoke of the Spirit, whom those who believed in Him were to receive; for the Spirit was not yet *given*, because Jesus was not yet glorified.

Ezek 36:24-28-For I will take you from the nations, gather you from all the lands and bring you into your own land.<sup>25</sup> Then I will sprinkle clean water on you, and you will be clean; I will cleanse you from all your filthiness and from all your idols.<sup>26</sup> Moreover, I will give you a new heart and put a new spirit within you; and I will remove the heart of stone from your flesh and give you a heart of flesh.<sup>27</sup> I will put My Spirit within you and cause you to walk in My statutes, and you will be careful to observe My ordinances.<sup>28</sup> You will live in the land that I gave to your forefathers; so you will be My people, and I will be your God.

Gen 1:12-The earth brought forth vegetation, plants yielding seed after their kind, and trees bearing fruit with seed in them, after their kind; and God saw that it was good.

2 Cor 5:17-Therefore if anyone is in Christ, *he is* a new creature; the old things passed away; behold, new things have come.

Gal 5:22-23- But the fruit of the Spirit is love, joy, peace, patience, kindness, goodness, faithfulness,<sup>23</sup> gentleness, self-control; against such things there is no law.

Ezek 36:24-28-For I will take you from the nations, gather you from all the lands and bring you into your own land.<sup>25</sup> Then I will sprinkle clean water on you, and you will be clean; I will cleanse you from all your filthiness and from all your idols.<sup>26</sup> Moreover, I will give you a new heart and put a new spirit within you; and I will remove the heart of stone from your flesh and give you a heart of flesh.<sup>27</sup> I will put My Spirit within you and cause you to walk in My statutes, and you will be careful to observe My ordinances.<sup>28</sup> You will live in the land that I gave to your forefathers; so you will be My people, and I will be your God.

Joel 2:28-29- “It will come about after this That I will pour out My Spirit on all mankind; And your sons and daughters will prophesy, Your old men will dream dreams, Your young men will see visions.<sup>29</sup> “Even on the male and female servants I will pour out My Spirit in those days.

Jer 31:31-34- “Behold, days are coming,” declares the LORD, “when I will make a new covenant with the house of Israel and with the house of Judah,<sup>32</sup> not like the covenant which I made with their fathers in the day I took them by the hand to bring them out of the land of Egypt, My covenant which they broke, although I was a husband to them,” declares the LORD.<sup>33</sup> “But this is the covenant which I will make with the house of Israel after those days,” declares the LORD, “I will put My law within them and on their heart I will write it; and I will be their God, and they shall be My people.<sup>34</sup> They will not teach again, each man his neighbor and each man his brother, saying, ‘Know the LORD,’ for they will all know Me, from the least of them to the greatest of them,” declares the LORD, “for I will forgive their iniquity, and their sin I will remember no more.”



Luke 12:48- but the one who did not know *it*, and committed deeds worthy of a flogging, will receive but few. From everyone who has been given much, much will be required; and to whom they entrusted much, of him they will ask all the more.

James 3:1-Let not many *of you* become teachers, my brethren, knowing that as such we will incur a stricter judgment.

Mark 7:13- Mark 7:13-*thus* invalidating the word of God by your tradition which you have handed down; and you do many things such as that

Num 21:5-9- The people spoke against God and Moses, “Why have you brought us up out of Egypt to die in the wilderness? For there is no food and no water, and we loathe this miserable food.”The LORD sent fiery serpents among the people and they bit the people, so that many people of Israel died. <sup>7</sup> So the people came to Moses and said, “We have sinned, because we have spoken against the LORD and you; intercede with the LORD, that He may remove the serpents from us.” And Moses interceded for the people. <sup>8</sup> Then the LORD said to Moses, “Make a fiery *serpent*, and set it on a standard; and it shall come about, that everyone who is bitten, when he looks at it, he will live.” <sup>9</sup> And Moses made a bronze serpent and set it on the standard; and it came about, that if a serpent bit any man, when he looked to the bronze serpent, he lived.

Rom 5:12-Therefore, just as through one man sin entered into the world, and death through sin, and so death spread to all men, because all sinned—

Acts 4:12- And there is salvation in no one else; for there is no other name under heaven that has been given among men by which we must be saved.”

John 5:24- “Truly, truly, I say to you, he who hears My word, and believes Him who sent Me, has eternal life, and does not come into judgment, but has passed out of death into life.

Heb 13:20-21- Now the God of peace, who brought up from the dead the great Shepherd of the sheep through the blood of the eternal covenant, *even* Jesus our Lord, <sup>21</sup> equip you in every good thing to do His will, working in us that which is pleasing in His sight, through Jesus Christ, to whom *be* the glory forever and ever. Amen.